समान नागरिक संहिता कानून उत्तराखंड के लिए नहीं बल्कि पूरे देश के लिए एक कानून एक संविधान होना बहुत जरूरी है अगर आज हमने उत्तराखंड यह पूरे भारत में समान नागरिकता कानून लागू नहीं किया तो आने वाले भविष्य और हमारे आने वाली पीढ़ी भारत में ही सेकंड सिटीजन बनने के लिए तैयार रहेगी इसका उदाहरण हमने जम्मू-कश्मीर पश्चिम बंगाल केरल पांडुचेरी तमाम भारत के छोटे-छोटे इलाकों में देखा जहां मुस्लिमों की जनसंख्या तीव्र गति से बड़ी और जहां जहां मुस्लिमों की जनसंख्या तीव्र गति से बड़ी वहां वहां हिंदुओं का किस प्रकार से दमन हुआ यह हमने कश्मीर से देखा है अगर आज में हमने उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता कानून लागू नहीं किया तो आने वाले समय में उत्तराखंड भी कश्मीर बनने में देरी नहीं और हमें अपनी बहन बेटियों को बचाने का कोई उपाय हमारे पास नहीं रहेगा क्योंकि वह जिहाद के मुद्दे पर आगे बढ़ेंगे और उनके लिए उनका धर्म ही सर्वोपरि है और जो उनके धर्म को नहीं मानेगा उन्हें या तो उनका कत्ल कर दिया जाएगा या उनका धर्म परिवर्तन करके उन्हें मुसलमान बना दिया जाएगा इसलिए अगर अभी भी उत्तराखंड सरकार ने समान नागरिक संहिता लागू नहीं किया तो हमारा उत्तराखंड कश्मीर बनने में देर नहीं लगेगा

10:45 am

Scanned with CamScanner